देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 23 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 22 अप्रैल 2022

विचार-प्रवाह...पेटीएम का मामला

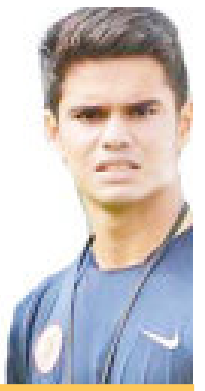

मौसम अधिकतम 32.0° न्यूनतम 21.0° | 41243.40 | 2 घरों में ही कैद रहेंगे शंघाई के लोग | 7 अर्जुन तेंदुलकर की दमदार यॉर्कर

चम्पावत से चुनाव लड़ना सौभाग्य की बात

सीएम पुष्कर धामी के चम्पवात सीट से लड़ने की हुई आधिकारिक घोषणा

संवाददाता

चम्पावत। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चम्पावत से चुनाव लड़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी। विधायक कैलाश गहतोड़ी ने मेरे लिए यह सीट छोड़ी है उनका आभार व्यक्त करता हूँ। क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। चम्पावत में सीएम कैंप कार्यालय भी खोला जाएगा। इसी के साथ सभी अटकलों पर विराम लगते हुए सीएम के चम्पावत से उपचुनाव की घोषणा हुई।

योजनाओं की बारिशः गुरुवार को चंपावत जिले के मंच ग्राम पहुंचे सीएम धामी ने गुरु गोरखनाथ मंदिर के दर्शन किए। उसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने जिले के लिए घोषणाओं की भी झड़ी लगा दी। इसमें चम्पावत में एआरटीओ कार्यालय खोलने, बनबसा में मिनी स्टेडियम निर्माण, अमोड़ी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने तथा मंच उप

तहसील में जल्द कार्य शुरू करने का एलान किया।

आइआइटी और गोल्ज्यू कहरीडोर का प्रस्तावः सीएम ने टनकपुर इंजीनियरिंग कॉलेज को आइआइटी बनाने का प्रस्ताव केंद्र को भेजने तथा जिले को अखिल भारतीय स्तर पर पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाए जाने की घोषणा भी की। पूर्णागिरि व देवी दुर्गा मंदिर का विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे। चम्पावत गोलू देवता घोड़ाखाल गोलू देवता और चितई गोलू देवता को मिलाकर एक विशेष गोलज्यू कारीडोर बनाया जाएगा।

सीएम ने चाय बागान से हिंगला देवी मंदिर तक रोप-वे बनाने के लिए शीघ्र विभाग को निर्देशित करने की बात कही। इसके अलावा जिले के तीन मार्गों को राज्य मार्ग में परिवर्तित किया जाएगा।

सीएम की सीट खटीमा से लगा है क्षेत्रः चम्पावत विधानसभा क्षेत्र मुख्यमंत्री धामी की परंपरागत सीट खटीमा से लगी हुई है। साथ ही विधानसभा के मैदानी क्षेत्र बनबसा व टनकपुर क्षेत्र में पिथौरागढ़ जनपद के रहने वाले मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है। सीएम धामी भी मूल रूप से पिथौरागढ़ जनपद के ही रहने वाले हैं।

अंतरराष्ट्रीय मंच से काफी बातचीत

आधे से अधिक मतदाता टनकपुर और बनबसा में हैं। यह सीट पूर्व सैनिक बाहुल्य भी है। सैनिक पारिवारिक पृष्ठभूमि वाले सीएम के लिए पूर्व फौजियों की हमदर्दी पहले से ही रही है। इसके अलावा यहां वर्ष 2017 और वर्ष 2022 में यह सीट भाजपा की झोली में गई है। इसका भाजपा को लाभ मिलेगा। सीएम गुरुवार को चंपावत दौरे पर पहुंचे हैं। उनके साथ कैलाश गहतोड़ी भी हैं। सीएम गुरु गोरखनाथ धाम दर्शन करने पहुंचे हैं। इसके बाद वह मंच गांव में जनसभा को संबोधित किया। चम्पावत की सीट मैदान और पहाड़ वाली है।

पांच चुनाव में तीन बार जीती भाजपा

राज्य गठन के बाद अब तक हुए पांच विधानसभा चुनावों में भाजपा को चंपावत विधानसभा सीट पर तीन बार जीत मिली है। पिछले दो विधानसभा चुनावों से चंपावत सीट पर भगवा बुलंद है। 2017 में भाजपा ने कैलाश गहतोड़ी को मैदान में उतारा था, जिन्होंने 63 फीसदी से अधिक वोट लेकर शानदार जीत दर्ज की थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी गहतोड़ी विजयी रहे। राज्य बनने के बाद 2002 में सबसे पहले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के हिमेश खर्कवाल इस सीट से चुनाव जीते। तब इस सीट पर भाजपा तीसरे स्थान पर रही थी। 2007 में इस सीट से भाजपा की बीना महाराना चुनाव जीतीं। 2012 में कांग्रेस के हिमेश खर्कवाल ने फिर वापसी की। 2017 और 2022 के चुनाव में भाजपा के कैलाश गहतोड़ी विजयी रहे।

संक्षिप्त समाचार

बारामुला में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जम्मू। उत्तरी कश्मीर के बारामुला में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। तड़के से जारी मुठभेड़ में लश्कर ए तैयबा के 12 लाख रुपये का इनामी आतंकी दुर्दांत आतंकी युसूफ कांतरू सहित कुल पांच आतंकी मुठभेड़ में मारे गए। मारे गए आतंकियों में तीन विदेशी और दो स्थानीय हैं। लश्कर का मारा गया आतंकी कांतरू बीते माह बड़गाम में एक पुलिस एसपीओ और उसके भाई की हत्या में भी शामिल था।

गुजरात में ब्रिटिश प्रधान मंत्री बोरिस जानसन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अहमदाबाद। दो दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचे ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने गुरुवार को अडानी वैश्विक मुख्यालय में भारतीय अरबपति व्यवसायी गौतम अडानी से मुलाकात की। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने ट्वीट कर बैठक की जानकारी दी। बोरिस जानसन ने गांधीनगर के अक्षरधाम मंदिर का भी दौरा किया।

15 जून तक का समय वन विभाग के लिए चुनौतियों वाला

प्रदेश की अलग-अलग डिवीजनों में अभी तक 1205.81 हेक्टेयर जंगल जले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। उत्तराखंड में फारेस्ट फायर सीजन को दो महीने एक सप्ताह बीत चुका है। 15 जून तक का समय वन विभाग के लिए चुनौतियों वाला है। आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश की अलग-अलग डिवीजनों में अभी तक 1205.81 हेक्टेयर जंगल जल चुका है। इस आंकड़े बढ़ाने में कुमाऊं की चार डिवीजनों की आग सबसे बड़ी वजह है।

अल्मोड़ा वन प्रभाग, बागेश्वर वन प्रभाग, पिथौरागढ़ वन प्रभाग और सिविल सोयम डिवीजन अल्मोड़ा में मिलाकर अब तक 640 हेक्टेयर जंगल जला है। वनकर्मियों से लेकर अफसर तक आग की इन घटनाओं से परेशान है। कुमाऊं की अल्मोड़ा डिवीजन में आग की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। यहां बुधवार तक 262.65 जंगल को नुकसान पहुंच

गया था।

सिविल सोयम डिवीजन अल्मोड़ा में 87.25 हेक्टेयर, बागेश्वर डिवीजन में 112.85 हेक्टेयर और पिथौरागढ़ डिवीजन में 178.25 हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आया। इन चारों डिवीजन में चीड़ वन होना भी आग लगने की मुख्य वजह है।

मौसम में नमी की मात्रा का खत्म होना और भौगोलिक परिस्थितियों के चलते भी आग तेजी से आगे बढ़ती है। ऐसे में 15 जून तक संकट की स्थिति रहेगी। वन प्रभाग, सिविल डिवीजन और वन्यजीव आरक्षित क्षेत्र मिलाकर उत्तराखंड में अभी तक 836 जगहों पर जंगलों में आग लग चुकी है। कई जंगल ऐसे है जहां कई दिनों तक आग सुलगती रही।

खो दिए साढ़े 15 हजार पेड़ः उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग से अभी तक साढ़े 15 हजार पेड़ जलकर राख हो चुके हैं। इसके अलाव 19 हेक्टेयर से अधिक प्लांटेशन एरिया में नुकसान हुआ। पर्यावरणीय क्षति का आंकलन 33 लाख पार हो चुका है।

चंपावत सीट से उपचुनाव लड़ेंगे मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

चंपावत। चंपावत विधानसभा सीट पर भाजपा विधायक कैलाश चंद्र गहतोड़ी ने विधानसभा अध्यक्ष रितु भूषण खंडूड़ी को विस की सदस्यता से अपना त्यागपत्र सौंप दिया हैं। संगठन के स्तर पर विचार-विमर्श के बाद बुधवार को इस विषय पर निर्णय हुआ था। गहतोड़ी ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक को सीट खाली करने का प्रस्ताव सौंपा था।

बृहस्पतिवार सुबह चंपावत विधानसभा सीट से भाजपा विधायक कैलाश चंद्र गहतोड़ी ने विधानसभा अध्यक्ष के यमुना कॉलोनी स्थित सरकारी आवास पर उन्हें अपना इस्तीफा सौंपा। जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने मंजूर कर लिया है। इस दौरान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, संगठन महामंत्री अजय कुमार, विधायक खजान दास, मेयर सुनील उनियाल मौजूद रहे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने प्रेस को संबोधित करते

एलान

■पहले ही सीएम धामी के लिए सीट छोड़ने का एलान कर चुके थे गहतोड़ी

हुए कैलाश चंद्र गहतोड़ी के इस्तीफे को स्वीकार करने की घोषणा की। विधानसभा चुनाव में भाजपा 47 सीट जीतकर सत्ता पर तो काबिज हो गई, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खटीमा विस सीट से चुनाव हार गए। पार्टी ने धामी के नेतृत्व पर भरोसा किया और उन्हें सत्ता की कमान सौंपी।

सीएम धामी को छह महीने में निर्वाचित होकर विधानसभा में जाना है। इसके लिए उन्हें उपचुनाव लड़ना है। कैलाश गहतोड़ी काफी पहले ही सीएम धामी के लिए सीट खाली करने का एलान कर चुके हैं।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

दुनिया और समय के हिसाब से खुद को ढालें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में गुरुवार को लोक प्रशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने व अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने तेज गति से बदलती दुनिया में समय के अनुसार चलने की सलाह दी और तीन लक्ष्य गिनाए।

पीएम ने अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों को सम्मानित

उन्होंने कहा, श्हम एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में है और हमारे सामने तीन लक्ष्य हैं। पहला देश में सामान्य से सामान्य मानव के जीवन में बदलाव आए, उसके जीवन में सुगमता आए और उसे इसका एहसास भी हो। दूसरा आज हम कुछ भी करें, उसको वैश्विक सन्दर्भ में करना समय की मांग है ओर तीसरा व्यवस्था में हम कहीं पर भी हों, लेकिन जिस व्यवस्था से हम निकले हैं, उसमें हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है देश की एकता और अखंडता।

प्रधानमंत्री ने लोक सेवकों से आग्रह किया कि यदि संभव हो तो वे आजादी के इस अमृत काल में अपने जिला के पूर्व कलेक्टरों से मिलें। राज्यों में जो चीफ सेक्रेटरी, कैबिनेट सेक्रेटरी रहे हैं उन सबको बुला लें।